

प्रेषक,

विनीता कुमार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
समाज कल्याण उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी, नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-02

देहरादून : दिनांक : 15 मई, 2008

विषय: चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय में समाज कल्याण विभाग से सम्बन्धित अनुदान संख्या 15, 30 एवं 31 के आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित जिला योजना की धनराशियों की वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या : 624/जि0यो0/रा0यो0आ0/मु0स0/2008 दिनांक 24 मार्च, 2008 तथा प्रमुख सचिव, वित्त के पत्र संख्या : 267-XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च, 2008 के क्रम में चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय में समाज कल्याण विभाग से सम्बन्धित अनुदान संख्या 15, 30, 31 के आयोजनागत पक्ष में जिला योजना में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष रू0 2512.83 लाख (रू0 पच्चीस करोड़ बारह लाख तिरासी हजार मात्र) की धनराशि शासनादेश संख्या : 251/XVII-02/08- बजट 10(09)/2009 दिनांक 21 अप्रैल, 2008 द्वारा स्वीकृत की गयी थी। इस क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त मदों में प्राविधानित बजट के सापेक्ष संलग्नक के अनुसार अवशेष धनराशि रू0 4434.30 लाख (रू0 चौवालीस करोड़ चौतीस लाख तीस हजार मात्र) को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. उक्त धनराशि में से सम्बन्धित योजनाओं में जनपदों द्वारा अतिरिक्त मांग होने पर आबंटित किया जाय तथा उसकी सूचना तत्काल शासन को प्रेषित किया जाय।
2. स्वीकृत की गयी धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण तथा धनराशि का उपभोग प्रमाण-पत्र समयान्तर्गत जनपदों द्वारा निदेशक, समाज कल्याण, उत्तराखण्ड के माध्यम से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाय।
3. अप्रयुक्त धनराशि को वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
4. बी0एम0-13 पर सकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय कदापि न किया जाय।
5. स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल में उल्लिखित प्राविधानों एवं मितव्ययता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अन्तर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
6. लाभार्थियों को पेंशन/छात्रवृत्ति वितरण के सम्बन्ध में निम्नानुसार प्रक्रिया का पालन किया जाय:-
 1. लाभार्थियों को पेंशन/छात्रवृत्ति का भुगतान लाभार्थी के डाकघर बचत खाते के माध्यम से किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
 2. प्रत्येक जनपद के लाभार्थियों की सूची हार्ड एवं साफ्ट कॉपी में, सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा सम्बन्धित जनपद के प्रवर डाकघर अधीक्षक/डाकघर अधीक्षक को अग्रिम रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।
 3. प्रत्येक जनपद के जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा वांछित धनराशि का एक चैक, जो कि सम्बन्धित जनपद के प्रधान डाकघर के पोस्ट मास्टर के पक्ष में देय होगा, को लाभार्थियों की सूची सहित उपलब्ध कराया जायगा।
 4. चैक प्राप्त होने के दो सप्ताह के भीतर लाभार्थियों के बचत खाते में पेंशन/छात्रवृत्ति की धनराशि जमा करनी आवश्यक होगी।

5. दिनांक 15 नवम्बर, 2007 को डाक विभाग, उत्तराखण्ड परिमंडल के साथ समाज कल्याण विभाग द्वारा किये गये एमओयू के अनुसार कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
7. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय की अनुदान संख्या 15, 30 एवं 31 के आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत संलग्नक में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
- संलग्नक : यथोक्त।

भवदीय,

(विनीता कुमार)
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या : 313/XVII-02/08-बजट 10(09)/2008 तदुद्दिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. समस्त मण्डलायुक्त/जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. चीफ पोस्ट मास्टर जनरल उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. निदेशक, समाज कल्याण, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी, नैनीताल।
8. समस्त कोषाधिकारी/समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. समस्त प्रवर डाकघर अधीक्षक/डाकघर अधीक्षक/जनपदों के प्रधान पोस्टमास्टर, उत्तराखण्ड।
10. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
11. बजट, राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. समाज कल्याण, नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
14. आदेश पत्रिका।

आज्ञा से,

(आर० के० चौहान)
अनु सचिव।

क्र० स०	अनुदान संख्या	मद/योजना का नाम	लेखाशीर्षक	जनपदों को शा०सं० : 251/ XVII-02/08- बजट 10(09)/2009 दिनांक 21 अप्रैल, 2008 अवमुक्त की गई धनराशि	अवशेष धनराशि जिसे निदेशक के निवर्तन पर रखा जा रहा है।
1	15	वृद्धावस्था पेंशन	2235-60-102-03-91	300.68	1799.32
	30	वृद्धावस्था पेंशन	2235-60-102-03-91	89.28	1490.72
	31	वृद्धावस्था पेंशन	2235-60-102-03-91	16.12	139.88
2	15	विकलांग भरण पोषण अनुदान	2235-02-101-91-03	946.99	262.75
	30	विकलांग भरण पोषण अनुदान	2235-02-101-91-03	224.77	75.23
	31	विकलांग भरण पोषण अनुदान	2235-02-101-91-03	37.99	97.01
3	15	निराश्रित विधवा भरण-पोषण अनुदान	2235-02-103-91-01	655.16	294.84
	30	निराश्रित विधवा भरण-पोषण अनुदान	2235-02-103-91-01	176.51	208.49
	31	निराश्रित विधवा भरण-पोषण अनुदान	2235-02-103-91-01	41.01	48.99
4	15	विधवा विवाह पर दम्पति को भुगतान	2235-02-103-08-00	4.76	2.14
	30	विधवा विवाह पर दम्पति को भुगतान	2235-02-103-08-00	0.66	1.84
	31	विधवा विवाह पर दम्पति को भुगतान	2235-02-103-08-00	0.00	0.60
5	15	विकलांग व्यक्तियों को कृत्रिम अंग/श्रवण यंत्र अनुदान	2235-02-101-91-01	6.85	1.04
	30	विकलांग व्यक्तियों को कृत्रिम अंग/श्रवण यंत्र अनुदान	2235-02-101-91-01	0.89	5.11
	31	विकलांग व्यक्तियों को कृत्रिम अंग/श्रवण यंत्र अनुदान	2235-02-101-91-01	0.15	2.35
6	15	विकलांग छात्रवृत्ति	2235-02-101-09-00	11.01	3.99
		योग		2512.83	4434.30

(आर० के० चौहान)
अनु सचिव।